Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. पार्कनुमा भू दृश्य किस प्रकार के वनों की विशेषता है?

(अ) उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन
(ब) शुष्क पर्णपाती वन
(स) पर्वतीय वन
(द) सदाबहार वन

2. भारत में कितने राष्ट्रीय पार्क और वन्य जीव अभयारण्य हैं?

(अ) 78 राष्ट्रीय पार्क 452 वन्य जीव अभयारण्य
(ब) 105 राष्ट्रीय पार्क 514 वन्य जीव अभयारण्य
(स) 98 राष्ट्रीय पार्क 450 वन्य जीव अभयारण्य
(द) 88 राष्ट्रीय पार्क 432 वन्य जीव अभयारण्य

3. नंदा देवी जीव मंडल निच्चय निम्नलिखित में से किस प्रांत में स्थित हैं?

(अ) बिहार
(ब) उत्तर प्रदेश
(स) उत्तराखण्ड
(द) ओडीशा

4. हेरीशिएरा फोमीज क्या है?

(क) एक जीव मंडल निचय
(ख) बेशकीमती इमारती लकड़ी
(ग) वन्य जीव
(घ) एक संकटापन्न वन्य प्रजाति

5. भारत में कितने जीव मंडल निचय है?

(अ) 21
(ब) 17
(स) 10
(द) 18

6. चंदन वन किस तरह के वन के उदाहरण हैं-

(अ) पर्णपाती वन
(ब) सदाबहार वन
(स) काँटेदार वन
(द) डेल्टाई वन

7. उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन के प्रमुख वृक्ष हैं-

(अ) कीकर, खैर, बबूल
(ब) रोजवुड, महोगनी, एबोनी
(स) महुआ, पीपल, जामुन
(द) चीड़, फर, स्प्रूस

8. निम्नलिखित में से कितने भारत के जीव मंडल निचय यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त हैं?

(अ) दो
(ब) चार
(स) तीन
(द) एक

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. **कश्मीर हस्तशिल्प के लिए कौन सी लकड़ी इस्तेमाल होती है?**

(अ) ब्लू पाइन और स्प्रूस (ब) चिनार व वालन की लकड़ी

(स) चेस्टनट (द) देवदार की लकड़ी

10. **हिमालय पर्वत पर किस प्रकार की वनस्पति उगती है?**

(अ) शीतोष्ण कटिबंधीय वनस्पति (ब) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

(स) उष्णकटिबंधीय वर्षा वन (द) वेलांचली व अनूप वन

रिक्त स्थान

11. भारत में सदाहरित वन मुख्यतः _____ सेंटीमीटर से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

12. कांटेदार और झाड़ीदार वन मुख्यतः _____ क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

सत्य/असत्य

13. उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में वृक्षों की पत्तियां वर्षभर रहती हैं।

14. कांटेदार वन अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. उष्ण कटिबंधीय सदाहरित वन के प्रमुख वृक्ष कौन-कौन से हैं?

16. शंकुधारी वन कितनी ऊँचाई पर पाए जाते हैं? इस वन में पाए जाने वाले वृक्ष कौन-कौन से हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. वन्य प्राणियों की संख्या कम होने के प्रमुख कारण कौन-कौन से हैं?

18. सामाजिक वानिकी से आपका क्या अभिप्राय है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. वास्तविक वनावरण के प्रतिशत के आधार पर भारत के राज्यों को कितने प्रदेशों में विभाजित किया गया है? व्याख्या कीजिये?

20. वन और वन्य जीव संरक्षण में लोगों की भागीदारी कैसे महत्त्वपूर्ण है?

HOTS

21. राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य में अंतर स्पष्ट करें।

मिशन ज्ञान
सीखें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

1. **(ब)**
उत्तर भारत के विशाल मैदान में शुष्क पर्णपाती वन पार्कनुमा भू दृश्य बनाते हैं जहां सागवान और अन्य पेड़ों के बीच में हरी भरी घास होती है।

2. **(ब)**
भारत में 514 से अधिक प्राणी अभयारण्य हैं, जिन्हें वन्य जीवन अभयारण्य कहा जाता है। इनमें से 28 बाघ अभयारण्य बाघ परियोजना द्वारा संचालित हैं, जो बाघ-संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में भारत में 105 राष्ट्रीय उद्यान है।

3. **(स)** उत्तराखण्ड

4. **(ब)**
यह एक बेशकीमती इमारती लकड़ी है जो सुंदरवन के मैंग्रोव वनों में पाई जाती है।

5. **(द)**
भारत में 18 जीव मंडल निचय है।

6. **(अ)** पर्णपाती वन

7. **(ब)**
ये वन भारत के उन अत्यधिक आर्द्र एवं उष्ण भागों में मिलते हैं। इन वनों में पाये जाने वाले महत्वपूर्ण वृक्षों में, रबड़, महोगनी, एबोनी नारियल, बांस, बेंत तथा आइसवुड प्रमुख हैं।

8. **(ब)** चार

9. **(ब)**
कश्मीर हस्तशिल्प के लिए चिनार व वालन की लकड़ी का इस्तेमाल होता है।

10. **(अ)**
हिमालय पर्वतों पर शीतोष्ण कटिबंधीय वनस्पति पाई जाती है।

11. 200

12. शुष्क एवं अर्धशुष्क

13. सत्य

14. असत्य

15. **उष्ण कटिबंधीय सदाहरित वन में पाए जाने वाले प्रमुख वृक्ष-** इन वनों में पाये जाने वाले महत्वपूर्ण वृक्षों में, रबड़, महोगनी, एबोनी नारियल, बांस, बेंत तथा रोजवुड प्रमुख हैं।

16. 1500 से लेकर 3500 मीटर की ऊँचाई के बीच शीतोष्ण कटिबंधीय प्रसिद्ध शंकुधारी वन पाए जाते हैं। इनमें चीड़, सिल्चर, फर और स्प्रूस वृक्ष पाए जाते हैं।

17. वन्य प्राणियों की संख्या कम होने के मुख्य कारण निम्न हैं-

i. औद्योगिक और तकनीकी विकास के कारण वनों के दोहन की गति तेज हुई।

ii. खेती, मानवीय बस्ती, सड़कों, खदानों, जलाशयों इत्यादि के लिए जमीन से वनों को साफ किया गया।

iii. स्थानीय लोगों ने चारे, ईधन और इमारती लकड़ी के लिए वनों से पेड़ काटे और वनों पर दबाव बढ़ाया।

iv. पालतू पशुओं के लिए नए चारागाहों की खोज में मानव ने वन्य जीवों और उनके आवासों को नष्ट किया।

v. रजवाड़ों तथा संभ्रांत वर्ग ने शिकार को क्रीडा बनाया और एक ही बार में सैकड़ों वन्य जीवों को शिकार बनाया। व्यापारिक महत्त्व के लिए अभी भी पशुओं को मारा जा रहा है।

vi. जंगलों में आग लगने से भी वन और वन्य प्राणियों की प्रजातियाँ नष्ट हुई।

vii. जलप्रपातों और बाँधों से बिजलीघर बनाने की गतिविधि और जंगल काटकर खेती करने की होड़ से जंगली जानवरों का विनाश हो रहा है।

viii. गैरकानूनी ढंग से शिकार और शिकार संबंधी अपर्याप्त कानूनों के कारण जंगली जानवरों का काफी विनाश होता है।

ix. मांसाहारी कबीलों से शिकार के कारण जो हानि जानवरों की होती है, वह इतनी नहीं है कि जितनी जंगल काटकर असंतुलित खेती करने से होती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

18. सामाजिक वानिकी का अर्थ खाली पड़े स्थानों पर फलदार वृक्ष लगाने से है जिससे पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की वृद्धि हो।

19. वास्तविक वनावरण के प्रतिशत के आधार पर भारत के राज्यों को चार प्रदेशों में विभाजित किया जाता है-

i. **अधिक वनावरण वाले प्रदेश-** अधिक वनावरण वाले राज्य समूह, नगालैंड, मेघालय और मणिपुर का 75% से अधिक भूभाग वनाच्छादित है। इस प्रदेश में 40 प्रतिशत से. अधिक वनावरण वाले राज्य सम्मिलित हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मिज़ोरम, नागालैंड तथा अरुणाचल प्रदेश में कुल भौगोलिक क्षेत्र के 80 प्रतिशत भाग पर वन पाए जाते हैं। मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, सिक्किम तथा दादर और नागर हवेली के वनों का प्रतिशत 40 और 80 के बीच है।

ii. **मध्यम वनावरण वाले प्रदेश-** जिनका वृक्ष छत्र घनत्व 40-70 प्रतिशत के बीच होता है। इसमें मध्य प्रदेश, ओडिशा, गोवा, केरल, असम, और हिमाचल प्रदेश सम्मिलित हैं। गोवा में वास्तविक वन क्षेत्र 33.79 प्रतिशत है, जो कि इस प्रदेश में सबसे अधिक है। इसके बाद असम और ओड़िशा का स्थान है। अन्य राज्यों में कुल क्षेत्र के 30 प्रतिशत भाग पर वन हैं।

iii. **कम वनावरण वाले प्रदेश –** इस प्रदेश में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार और उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

iv. **बहुत कम वनावरण वाले प्रदेश-** इस वर्ग में शामिल राज्य हैं-राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और गुजरात। इसमें चंडीगढ़ और दिल्ली दो केंद्र शासित प्रदेश भी हैं। इनके अलावा पश्चिम बंगाल राज्य भी इसी वर्ग में है।

20. वन और वन्य जीव संरक्षण में लोगों की भागीदारी बहुत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि वन्य जीवों का सबसे ज़्यादा नुकसान आम लोगों के द्वारा ही किया जाता है। ये लोग ही वन्य जीवों का शिकार करते हैं। लेकिन सरकार ने वन्य जीवों के संरक्षण के लिए 1972 ई. में वन्य प्राणी अधिनियम बनाया, जिसमें वन्य जीवों को मारने वाले को कठोर सजा का प्रावधान किया गया है इसके द्वारा तब से जानवरो का शिकार बहुत कम हुआ है। देश में कई सामाजिक संगठनों और समुदायों ने वन्य जीवों के संरक्षण के लिए काफी महत्त्वपूर्ण कार्य किए हैं। राजस्थान के बिश्नोई जनजाति के लोग खेजड़ी वृक्ष और काले हिरण की रक्षा करते हैं। राजस्थान के अलवर जिले में 5 गाँवों के लोगों ने 1200 हेक्टेयर वन भूमि को 'भैरोदेव डाकव सेंचुरी' घोषित कर दिया है, जिसके अपने ही नियम कानून हैं जो शिकार वर्जित करते हैं तथा बाहरी लोगों की घुसपैठ से यहाँ के वन्य जीवन को बचाते हैं। हिमालय में वनों की रक्षा के लिए चिपको आंदोलन चलाया गया था। भारतीय समाज में लोग विशेष अनुष्ठानो में विभिन्न पेड़ो की पूजा करते हैं और आदिकाल से उनका संरक्षण करते आ रहे हैं। कदंब के पेड़ों की पूजा छोटानागपुर क्षेत्र में मुंडा और संथाल जनजातियाँ महुआ द्वारा की जाती हैं इसी प्रकार ओडिशा तथा बिहार की जनजातियाँ शादी के समय इमली और आम के पेड़ की पूजा करती हैं। भारत में संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम क्षरित वनों के प्रबंध और पुनर्निर्माण में स्थानीय समुदायों की भूमिका के महत्त्व को उजागर करते हैं। औपचारिक रूप में इन कार्यक्रमों की शुरुआत 1988 में हुई जब ओडिशा राज्य ने संयुक्त वन प्रबंधन का पहला प्रस्ताव पास किया। इसके तहत गाँव वाले और वन विभाग मिलकर वनों की रक्षा करते हैं।

21. राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य में निम्नलिखित अंतर है:

राष्ट्रीय उद्यान	अभयारण्य
राष्ट्रीय उद्यानों में शिकार और चराई पूर्णतया वर्जित होती है।	अभयारण्य में अनुमति के बिना शिकार करना मना है लेकिन चराई और गौ पशुओं का आना जाना नियमित होता है।
राष्ट्रीय उद्यानों में मानवीय हस्तक्षेप पूर्णतया वर्जित होता है।	अभयारण्यों में मानवीय क्रियाकलापों की अनुमति होती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें जहाँ चाहें जैसे चाहें
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES